Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to promote Psychologists and Psychiatrists in the country.

श्री मलूक नागर (**बिजनौर**): चेयरमैन साहब, अपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ ।

महोदय, इस कोरोना महामारी के बीच 12 मार्च, 2020 को मैंने यह मुद्दा उठाया था । उसके बाद मैंने दोबारा 20 सितंबर, 2020 को भी यही मुद्दा उठाया था । भारत सरकार और प्रदेशों की सरकारों ने बहुत ही जबरदस्त काम किया । माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी बहुत अच्छा काम किया । इससे पूरे संसार में इस देश का नाम हुआ है । माननीय प्रधानमंत्री जी की जो सोच थी, उसके हिसाब से योजनाएं नीचे तक पूरी तरह से क्रियान्वित नहीं हुई हैं । कोरोना की दूसरी लहर में ऐसी स्थिति आ गई थी कि उसे संभालना मुश्किल हो गया था ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूँगा, क्योंकि आज तीसरी लहर के रूप में डिफरेंट तरीके की वेरिएंट की खोज हो रही है, उनकी रोकथाम के लिए पहले से ही इस पर ध्यान दिया जाए । दूसरी लहर के बाद, देश के उद्योगपतियों और किसानों को जो नुकसान हुआ, उनके नुकसान को किस तरह कम्पेनसेट किया जाए, उनका टाइम आगे बढ़ाया जाए, इस तरफ भी ध्यान दिया जाए । खासकर, कोरोना के बाद देश के ज्यादातर लोगों पर इस बीमारी का जो इम्पैक्ट हुआ है, उससे टेंशन बियरिंग कैपेसिटी बढ़ गई और शरीर के ज्यादातर हिस्सों ने काम करना बंद कर दिया । आज लोगों को हॉर्ट अटैक हो रहे हैं, ब्रेन हैमरेज हो रहे हैं । इससे बहुत गंभीर इंफैक्शन भी हो रही है और उससे लोगों का स्वभाव भी चिड़चिड़ा हो रहा है ।

देश में साइकोलोजिस्ट डॉक्टर्स और साइकैट्रिस्ट डॉक्टर्स की कमी है । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि साइकोलोजिस्ट डॉक्टर्स और साइकैट्रिस्ट डॉक्टर्स को बढ़ावा दिया जाए और उनको इंसेंटिव दिए जाएं, जिससे लोगों की सेहत मानसिक और शारीरिक रूप

से अच्छी की जा सके । देश के लोग बढ़िया काम कर सकें और देश पहले की तरह तरक्की के रास्ते पर चल सके, जिससे माननीय प्रधान मंत्री जी का 5 ट्रिलियन डॉलर का सपना साकार हो सके ।